कौन-सी कलीसिया सच्ची है, जिससे परमेश्वर की उपासना की जाए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

बहुत से नये विश्वासियों के लिए, या उन लोगों के लिए जो सच्चे मन से परमेश्वर की उपासना करना चाहते हैं, यह एक बड़ा प्रश्न बन जाता है: मैं कैसे पहचानूं कि कौन-सी कलीसिया सच्ची है, जो मुझे आत्मा और सच्चाई से परमेश्वर की सेवा करना सिखाती है?

यह भ्रम मुख्य रूप से इस कारण होता है कि आज बहुत सारी झूठी शिक्षाएँ और भटकाने वाले अगुवा हैं, जिनका उद्देश्य लोगों का उद्धार नहीं बल्कि उन्हें धोखे में डालना होता है।

इसलिए एक मसीही के रूप में तुम्हारा जाँचनेवाला और समझदार होना बहुत आवश्यक है। परमेश्वर हमें ऐसे विवेक के लिए बुलाता है, जैसा कि हम 1 तीमुथियुस 4:1 (ERV-HI) में पढ़ते हैं:

“परन्तु आत्मा स्पष्ट रूप से कहता है, कि आनेवाले समयों में
कुछ लोग विश्वास से फिर जायेंगे, और धोखा देनेवाली आत्माओं
और दुष्टात्माओं की शिक्षाओं पर ध्यान देंगे।”

हाँ, हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ धोखा बहुत सामान्य बात हो गई है।

हालाँकि आज बहुत सी झूठी कलीसियाएँ और शिक्षाएँ हैं, लेकिन

कौन-सी कलीसिया सच्ची है, जिससे परमेश्वर की उपासना की जाए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

समाधान यह नहीं है कि हम घर पर अकेले रहना शुरू कर दें। पवित्र शास्त्र स्पष्ट रूप से हमें कहता है कि हम संगति को न छोड़ें। इब्रानियों 10:25 (ERV-HI) में लिखा है:

“और हमारी एक साथ सभा करने की रीति को न छोड़ें जैसा कुछ
लोगों की आदत बन गई है, परन्तु एक दूसरे को समझाते रहें…”

आध्यात्मिक संगति के लाभ अकेले रहने के खतरे से कहीं अधिक हैं। जैसे भोजन में एक छोटा पत्थर होने के कारण तुम पूरे भोजन को नहीं फेंक देते, वैसे ही किसी एक झूठी शिक्षा के कारण पूरी कलीसिया की अवधारणा को नहीं नकारा जाना चाहिए हाँ, परंतु सावधानीपूर्वक परख अवश्य करनी चाहिए।

किसी कलीसिया से जुड़ना स्वर्ग जाने का स्वतः गारंटी नहीं है, लेकिन एक सच्ची कलीसिया तुम्हें विश्वास में दृढ़ बनाए रखती है और आत्मिक रूप से बढ़ने में सहायता करती है अनन्त जीवन की ओर तुम्हारे सफर में।

एक उदाहरण से समझिए: कलीसिया एक विद्यालय की तरह है। जब एक बच्चा प्राथमिक विद्यालय समाप्त करता है, तो बहुत से उच्च विद्यालय उसकी भर्ती के लिए आकर्षक प्रस्ताव देते हैं हर एक

कौन-सी कलीसिया सच्ची है, जिससे परमेश्वर की उपासना की जाए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

अच्छे परिणामों और अनुकूल वातावरण का वादा करता है।

यह छात्र (या उसके माता-पिता) की जिम्मेदारी होती है कि वे जाँचें कि वह विद्यालय वास्तव में उसे सफलता की ओर ले जा सकता है या नहीं। एक गलत चयन सबसे बुद्धिमान छात्र को भी लक्ष्य से भटका सकता है।

और केवल अच्छा विद्यालय ही काफी नहीं, यदि छात्र मेहनत न करे तो सफलता असंभव है। सफलता के लिए एक अच्छा विद्यालय और मेहनती छात्र — दोनों की आवश्यकता है।

अब सोचिए, अगर कोई कहे: “मैं स्कूल नहीं जाऊँगा मैं खुद ही परीक्षा की तैयारी कर लूँगा,” तो क्या वह सफल होगा? विद्यालय अनुशासन, शिक्षक, मार्गदर्शन और शिक्षण के लिए अनुकूल वातावरण देता है जिसे कोई विकल्प नहीं।

ठीक उसी प्रकार मसीही जीवन और कलीसिया साथ-साथ चलते हैं। यह तुम्हारी व्यक्तिगत जिम्मेदारी है कि तुम ऐसी कलीसिया चुनो जो तुम्हारे आत्मिक जीवन को बढ़ावा दे और सहारा दे।

सच्ची कलीसिया को पहचानने के महत्वपूर्ण मापदंड:

कौन-सी कलीसिया सच्ची है, जिससे परमेश्वर की उपासना की जाए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

1) यीशु मसीह केंद्र में हो
मसीही विश्वास का केन्द्र केवल यीशु मसीह है। यदि कोई कलीसिया किसी भविष्यवक्ता, अगुवा या संत को यीशु के समान या बीच में रखती है, तो वह सच्ची नहीं है।
कुलुस्सियों 2:18–19 (ERV-HI) में चेतावनी दी गई है:

“कोई भी मनुष्य तुम्हें इनाम पाने से न रोके, जो झूठी नम्रता
और स्वर्गदूतों की पूजा में लिप्त हो… और सिर को थामे नहीं रहता [अर्थात मसीह को]…”

यदि यीशु को अन्य लोगों के बराबर रखा जाए, तो वह एक गंभीर भटकाव है वहाँ से तुरंत दूर हो जाओ।

2) कलीसिया केवल बाइबल को मान्यता देती हो
सच्ची कलीसिया केवल बाइबल के 66 नियमबद्ध ग्रंथों को ही परम अधिकार मानती है न कुछ जोड़ती है, न घटाती है।
कुछ समूह अपोक्रिफा को जोड़ते हैं या परंपराओं को पवित्रशास्त्र के समान मानते हैं यह एक खतरनाक मार्ग है। प्रकाशितवाक्य 22:18 (ERV-HI) में लिखा है:

कौन-सी कलीसिया सच्ची है, जिससे परमेश्वर की उपासना की जाए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

“मैं हर किसी को जो इस पुस्तक की भविष्यवाणी की बातों को
सुनता है चितावनी देता हूँ: यदि कोई इनमें कुछ जोड़े, तो परमेश्वर उस पर वे विपत्तियाँ डाल देगा जो इस पुस्तक में
लिखी गई हैं।”

अगर कोई कलीसिया परंपरा को शास्त्र से ऊपर मानती है, तो वह धोखे का स्थान है।

3) कलीसिया परमेश्वर के राज्य का प्रचार करती हो
यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला प्रचार करता था:

“मन फिराओ, क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है।” (मत्ती
3:2)

यीशु और प्रेरितों ने भी यही संदेश दिया (मत्ती 4:17; प्रेरितों के काम 28:31)।

सच्चे मसीही आनेवाले परमेश्वर के राज्य का सुसमाचार प्रचार करते हैं न कि इस संसार के धन, पद या शोहरत का।

कौन-सी कलीसिया सच्ची है, जिससे परमेश्वर की उपासना की जाए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

जहाँ प्रचार में सांसारिक समृद्धि, प्रभाव या स्थिति को मुख्य बनाया जाता है वहाँ सावधान रहो।

4) कलीसिया पवित्रता और प्रेम को जीती हो
पवित्रता और प्रेम एक जीवित कलीसिया की पहचान हैं। इब्रानियों 12:14 और 1 यूहन्ना 4:7-8 (ERV-HI) में लिखा है:

“सब के साथ मेल मिलाप और उस पवित्रता के पीछे लगे रहो जिसके बिना कोई भी प्रभु को नहीं देखेगा।”

“प्रिय लोगों, आओ हम एक-दूसरे से प्रेम करें; क्योंकि प्रेम परमेश्वर से है…”

जहाँ लोग अनुचित वस्त्र पहनकर आते हैं, पाप में बने रहते हैं, और उन्हें मन फिराने तथा जीवन बदलने का आह्वान नहीं मिलता वहाँ कलीसिया विश्वासयोग्य नहीं।

5) कलीसिया पवित्र आत्मा के वरदानों को स्वीकारती हो
पवित्र आत्मा की उपस्थिति उसके वरदानों से प्रकट होती है — जैसे चंगाई, भविष्यवाणी, भाषाओं में बोलना आदि।

कौन-सी कलीसिया सच्ची है, जिससे परमेश्वर की उपासना की जाए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

1 कुरिन्थियों 12:7–11 (ERV-HI) कहता है:

“हर एक को आत्मा का प्रकटीकरण लाभ पहुंचाने के लिये दिया
जाता है… किसी को चंगाई देने का वरदान, किसी को भविष्यवाणी का…”

अगर कोई कलीसिया इन वरदानों को पूरी तरह नकारती है या दबा देती है, तो वह आत्मा के कार्य को बाधित करती है और मसीह का सच्चा शरीर नहीं मानी जा सकती।

निष्कर्ष:
इस विषय को गंभीरता से लो और अपनी कलीसिया को इन बाइबलीय मानकों पर परखो।

कई मसीही डर या अज्ञानता के कारण झूठी कलीसियाओं में फँसे रहते हैं। लेकिन अंततः अपने विश्वास की जिम्मेदारी तुम्हारी ही है, जैसा कि रोमियों 14:12 (ERV-HI) में लिखा है:

“इसलिये हम में से हर एक परमेश्वर को अपना लेखा देगा।”

कौन-सी कलीसिया सच्ची है, जिससे परमेश्वर की उपासना की जाए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

मैं प्रार्थना करता हूँ कि परमेश्वर तुम्हें सच्ची कलीसिया की खोज में बुद्धि और आत्मिक विवेक दे।

प्रभु तुम्हें आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp